

5/8/22

पत्रायली फराही लील पत्नीव
 वादी स्वयं - मायालय कामभाषि तह
 धार- धार आवाज लागणे कु वापस्य हादि
 मदी। माया पत्रायली आपल हादिरीय मय्य
 फेरी के खादिन मी पातीही पत्रायली
 फेरील मय्यार हो मय नरपर ते मय ही। हादि
 हादि ही)

(Signature)

(Faint bleed-through text from the reverse side of the page)